- यज्ञ धरा को शुद्ध बनाता, सद्विचार सबमें फैलाता ।
- घर-घर में हम यज्ञ रचाएँ, आओ भारत सबल बनाएँ ।
- देश काल और धर्म बचेगा, घर घर में यदि यज्ञ रचेगा।
- ऋषि मुनियों की थाती है, यज्ञ हमारी परिपाटी है।
- इसमें वेद पुराण है, यज्ञ एक विज्ञान है।
- विद्या,बल, प्रज्ञा-विवेक, यज्ञ से मिलते लाभ अनेक।
- यज्ञ पिता गायत्री माता, इनसे जीवनभर का नाता।
- यज्ञ न समझो कर्मकाण्ड बस, परोपकार से पायेंगे यश।
- भारतीय संस्कृति के दूत, यज्ञ करें सब पूत, सपूत।
- वातावरण का होय सुधार, यज्ञ करें यदि रोज हजार।
- मन मानस को शुद्ध बनाता, घर में नित्य जो यज्ञ रचाता।
- दुर्विचार का दमन करेंगे, श्रद्धा से सब हवन करेंगे।
- नित्य यज्ञ न भोग चढाता, वह मानव बेईमान कहाता।
- जहाँ प्रेम सहकार है, वही देव परिवार है।